SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल परिश्रम के बारे में क्या कहती है? — भाग 2 · स्ट्रॉन्ग्स नंबरों के साथ केजेवी शास्त्र

भाग 2 · मौलिक बाइबिल सिद्धांत पर आधारित एक नया अध्ययन

परिश्रम — मूलभूत बाइबलीय सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

हर विश्वासी यह प्रश्न पूछता है: मैं कैसे जानूँगा कि अंत में मैं स्थिर रहूँगा? परमेश्वर का उत्तर कोई भावना नहीं है, और वह संदेह में नहीं छोड़ा गया है। परमेश्वर ने उत्तर मनुष्य के अपने हाथ में रख दिया है, और वह उसे तत्परता कहता है। यह केवल शरीर का श्रम नहीं है, और यह भटकता हुआ मन नहीं है। यह सम्पूर्ण हृदय है जो एक ही बात पर लगा हो, अनुग्रह में अनुग्रह जोड़ता हुआ। पुस्तक में कोई प्रतिज्ञा आलसी के लिए नहीं की गई है। आलसी कहता है कि मार्ग कठिन है, और वह पड़ा रहता है। परन्तु तत्पर व्यक्ति भोर में उठता है; वह खोजता है, वह थामे रहता है, वह श्रम करता है, वह अध्ययन करता है। पुरानी भाषा में, तत्पर मनुष्य और उत्तम सोना एक ही शब्द से पुकारे जाते हैं, क्योंकि सोना मार्ग में पड़ा नहीं मिलता — वह खोदा जाता है। जिस चीज़ के लिए तुम नहीं खोदोगे, उसे तुम अभी नहीं चाहते। जिस चीज़ के लिए तुम प्रतिदिन खोदते हो, परमेश्वर उसे तुम्हारे लिए निश्चित कर देगा। वह स्वयं को प्रतिफल देनेवाला कहता है — यह उसका अपने लिए स्वयं का नाम है — और उसने स्वयं को तत्पर व्यक्ति से बाँध लिया है: यह काम करो, और तुम कभी नहीं फिसलोगे; यह काम करो, और द्वार पूरा खुल जाएगा। यही वह परमेश्वर है जिसे यह अध्ययन तुम्हारे सामने प्रस्तुत करता है। इसे खोज निकालो।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. विश्वासियों को अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करने के लिए किस बात में तत्परता दिखाने की आज्ञा दी गई है — और जो इन बातों को करता है, वह कभी क्या नहीं करेगा?
2. नीतिवचन हाथ, प्राण और उद्यमी के विचारों के बारे में — और आलसी के बारे में क्या कहता है?
3. परमेश्वर किसे प्रतिफल देता है, और उसके आगमन पर वह लगन रखनेवाले को कैसा पाएगा?

पहले से रखी गई नींव — परिश्रम

परिश्रम (स्पूदे) = शीघ्रता + तत्परता + उत्सुकता — जो आलसी और सुस्त व्यक्ति के विपरीत है (2 पतरस 1:5; नीतिवचन 12:24; नीतिवचन 6:6-11)।

आलसी को बेगार करनी पड़ेगी + उसका खेत कांटों से भर गया (नीतिवचन 12:24; नीतिवचन 24:30-34)।

वह उन्हें फल देता है जो लगन से उसे खोजते हैं (इब्रानियों 11:6)।

आशा के पूर्ण निश्चय के लिये अन्त तक वही प्रयत्न दिखाओ (इब्रानियों 6:11-12)।

परमेश्वर की ओर से बुलाहट में परिश्रमी बनो, जिससे तुम उसके द्वारा शान्ति में पाए जाओ (2 पतरस 3:14)।

सारी रीति से प्रयत्न करके अपने विश्वास में जोड़ो --> न तो निष्फल और न ही निष्फल (2 पतरस 1:5-8)।

अपनी बुलाहट और चुनाव को दृढ़ करने के लिए तत्परता करो --> तुम कभी नहीं गिरोगे (2 पतरस 1:10)।

यह भाग 2 गवाहों के एक नए समूह से इसी सत्य की पुष्टि करता है।

ग्रीक मुख्य शब्द

"परिश्रम" — **G4710 spoude** — गति, शीघ्रता, उत्सुकता, गंभीरता
नई भाषा में तत्परता एक गति-शब्द है — यह जल्दी करती है, यह विलंब नहीं करती

"परिश्रम करना" — **G4704 spoudazo** — गति का उपयोग करना, प्रयास करना, तत्पर और उत्साही होना
एक शब्द अध्ययन करना, परिश्रम करना, प्रयास करना, और तत्पर रहना — के अधीन खड़ा है — यह आज्ञा एक ही आज्ञा है

"उत्सुकता से खोजना" — **G1567 ekzeteo** — ढूँढ़ना, खोज करना, तीव्र इच्छा करना
पुरस्कार उन्हें नहीं मिलता जो इच्छा करते हैं, परन्तु उन्हें मिलता है जो अन्त तक उसकी खोज करते हैं

"आलसी" — **G3576 nothros** — सुस्त, धीमा, मंद
परिश्रम के विरुद्ध रखा गया शब्द — सुनने में धीमा, उत्तराधिकार पाने में धीमा; आलसी इच्छा से रहित नहीं है, वह करने से रहित है

"निश्चित" — **G949 bebaios** — स्थिर, तीव्र, दृढ़
परिश्रम एक स्थिर बनाई गई वस्तु में समाप्त होता है — एक बुलाहट जो निश्चित बनाई गई है, एक लंगर जो निश्चित और स्थिर दोनों है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — आत्मा ने स्पूदे (G4710, परिश्रम) को चुना, जिसका अर्थ है गति, न कि ज़ेलोस (G2205), जिसका अर्थ है ताप। आग चूल्हे पर तेज़ जल सकती है और कभी हिलती नहीं। गति चलती है। परिश्रम यह नहीं है कि घर में हृदय कितना तेज़ जलता है — यह इस बात में है कि क्या पाँव चलते हैं।)

हिब्रू मुख्य शब्द

"परिश्रमी" — **H2742 charuts** — तीव्र, नुकीला, जैसे दाँतों वाला दाँवने का यंत्र; और भी शुद्ध सोना, जैसे भूमि से खोदा गया हो; और भी निर्णय
एक शब्द है परिश्रमी मनुष्य, उत्तम सोना, और निर्णय की तराई — यह अध्ययन उस सोने की खोज करता है

"परिश्रम" — **H4929 mishmar** — —रक्षक, एक चौकसी, रखने का एक स्थान
"पूरी तत्परता से" का अर्थ है "पूरी सुरक्षा से" — हृदय पर एक ऐसा पहरा जैसा किसी नगर पर बिठाया जाता है

"परिश्रमपूर्वक" — **H3966 me'od** — शक्ति, सामर्थ्य, अत्यधिक
यह वाक्यांश "अपनी सारी शक्ति से" — परिश्रम पूरी सामर्थ्य से किया गया प्रेम है

"जल्दी ढूँढ़ना" — **H7836 shachar** — किसी काम के लिए जल्दी उठना, प्रातःकाल ही खोजना, जैसे भोर में
वह जो लगन से खोजता है, भोर के साथ उठता है; वह पहले खोजता है, अन्त में नहीं

"रखना" — **H8104 shamar** — कांटों से घेरना, रक्षा करना, ध्यान देना
ईश्वर द्वारा कही गई बात को यत्नपूर्वक बनाए रखने का अर्थ है उस वस्तु के चारों ओर कँटीली झाड़ियों की बाड़ लगाना, ताकि उसे कोई चुरा न सके

खुलने वाला लंगर

2 पतरस 1:10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे; **[G4417 ptaio ⚑] [G949 bebaios ⚑] [G4704 spoudazo ⚑]**

परिश्रम करो → अपनी बुलाहट और चुनाव को निश्चित करो → यदि तुम ये बातें करोगे, तो कभी न गिरोगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुनो कि इन शब्दों का क्या अर्थ है: "प्रयत्न करना" स्पूदाज़ो (G4704, give diligence) है, अर्थात शीघ्रता करना; "स्थिर" बेबायोस (G949, sure) है, दृढ़ और पक्का; "गिरना" प्टाइयो (G4417, fall) है, अर्थात ठोकर खाना। शीघ्रता करो, और खड़ा रहना दृढ़ हो जाएगा, और पाँव कभी ठोकर न खाएगा। बुलाहट और चुनाव परमेश्वर के हैं; उन्हें स्थिर करना बुलाए गए व्यक्ति की प्रयत्नशीलता है — यही सारा अध्ययन एक पंक्ति में है।)

I. आदेश — अध्ययन करो, प्रयत्न करो, सावधानी से चलो

A. 2 तीमुथियुस 2:15 अपने आपको परमेश्वर का ग्रहणयोग्य और ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो लज्जित होने न पाए, और जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता हो। **[G3718 orthotomeo ⚑] [G2040 ergates ⚑] [G4704 spoudazo ⚑]**

अध्ययन → परमेश्वर के सम्मुख प्रमाणित → एक कर्मी जो लज्जित होने के योग्य नहीं, जो सत्य के वचन को ठीक रीति से काम में लाता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ "अध्ययन" का अर्थ केवल पुस्तकों से नहीं है। यह स्पूदाज़ो (G4704, तत्परता दिखाना) है, वही शब्द जिसका अनुवाद "तत्परता दिखाना" और "तत्पर होना" किया गया है — गति दिखाने के लिए, प्रयास करने के लिए। कारीगर स्वीकृत ठहरता है क्योंकि वह सत्य के वचन के विषय में फुर्तीला था।)

B. इफिसियों 4:3 और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो । **[G4704 spoudazo ⚑]**

आत्मा की एकता को बनाए रखने का प्रयत्न करना → मेल के बन्धन में।

C. इफिसियों 5:15 इसलिए ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो; निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो। **[G199 akribos ⚑]**

सावधानी से चलो → मूर्खों के समान नहीं, परन्तु बुद्धिमानों के समान।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — akribos (G199, diligently), जिसे यहाँ "सावधानी से" के रूप में अनुवादित किया गया है, का अर्थ है ठीक-ठीक, यथार्थ रूप से — इसमें कुछ भी ढीला नहीं। परिश्रम केवल गति नहीं है; यह हर कदम में की गई सावधानी है।)

II. उद्यमी और आलसी — नीतिवचन की ताज़ा गवाही

A. नीतिवचन 10:4 जो काम में ढिलाई करता है, वह निर्धन हो जाता है, परन्तु कामकाजी लोग अपने हाथों के द्वारा धनी होते हैं। **[H2742 charuts ⚑] [H7423 remiyyah ⚑]**

ढीला हाथ → दरिद्र + परन्तु उद्यमियों का हाथ धन उपजाता है।

B. नीतिवचन 22:29 यदि तू ऐसा पुरुष देखे जो काम-काज में निपुण हो, तो वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा; छोटे लोगों के सम्मुख नहीं। **[H4106 mahir ⚑]**

यदि तू ऐसा पुरुष देखे जो काम-काज में निपुण हो → तो वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ "उद्यमी" के लिए एक दूसरा इब्रानी शब्द है: माहिर (H4106, उद्यमी) — फुर्तीला, तत्पर, कुशल। यह भजनों में आए "निपुण लेखक" के लिए प्रयुक्त शब्द है। खारूत्स (H2742, उद्यमी) तेज़-तर्रार व्यक्ति है; माहिर तत्पर व्यक्ति है। एक शब्द भेदकर भीतर घुसता है; दूसरा तेज़ी से आगे बढ़ता है — और दोनों राजाओं के सामने खड़े होते हैं।)

C. नीतिवचन 27:23 अपनी भेड़-बकरियों की दशा भली भाँति मन लगाकर जान ले, और अपने सब पशुओं के झुण्डों की देख-भाल उचित रीति से कर; **[H3045 yada ⚑]**

अपनी भेड़-बकरियों की दशा भली-भांति जान लेने में चौकसी कर → अपने पशुओं के झुण्ड की भली-भांति सुधि ले।

III. आलसी नहीं, परन्तु बढ़ते जाना — अन्त तक परिश्रम

A. इब्रानियों 6:19 वह आशा हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है जो स्थिर और दृढ़ है, और परदे के भीतर तक पहुँचता है। (गिन. 23:19, 1 तीमु. 2:13) **[G949 bebaios ⚑]**

आत्मा के लिये एक ऐसा लंगर है जो निश्चल और दृढ़ है।

B. रोमियों 12:8 जो उपदेशक हो, वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे, जो अगुआई करे, वह उत्साह से करे, जो दया करे, वह हर्ष से करे। **[G4710 spoude ⚑]**

जो शासन करता है, वह लगन से करे।

C. रोमियों 12:11 प्रयत्न करने में आलसी न हो; आत्मिक उन्माद में भरे रहो; प्रभु की सेवा करते रहो। **[G2204 zeo ⚑] [G4710 spoude ⚑] [G3636 okneros ⚑]**

प्रयत्न करने में आलसी न हो + आत्मिक उन्माद में भरे रहो + प्रभु की सेवा करते रहो.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ "व्यवसाय" शब्द स्वयं स्पूदे (G4710, तत्परता) शब्द है: अपनी तत्परता में आलसी न बनो। यह चेतावनी व्यापार के विषय में नहीं है। यह प्रभु की सेवा में आत्मा की गति के विषय में है।)

D. यहूदा 1:3 हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था। **[G4710 spoude ⚑]**

मैंने सारी सावधानी से लिखने का प्रयत्न किया → विश्वास के लिये तन मन से प्रयत्न करो।

E. **2 पतरस 1:19** और हमारे पास जो भविष्यद्वक्ताओं का वचन है, वह इस घटना से दृढ़ ठहरा है और तुम यह अच्छा करते हो, कि जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो, कि वह एक दीया है, जो अंधियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता है जब तक कि पौ न फटे, और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में न चमक उठे। **[G949 bebaios ⚑]**

भविष्यवाणी का अधिक पक्का वचन → ध्यान देना, जैसे एक ज्योति पर, जब तक कि दिन न फूटे।

IV. प्रतिफल देनेवाला — जो उसकी लगन से खोज करते हैं उनका

A. **मत्ती 7:8** क्योंकि जो कोई माँगता है, उसे मिलता है; और जो ढूँढ़ता है, वह पाता है; और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा। **[G2212 zeteo ⚑]**

जो कोई मांगता है, वह पाता है + जो ढूंढ़ता है, वह पाता है।

B. **यशायाह 55:6** “जब तक यहोवा मिल सकता है तब तक उसकी खोज में रहो, जब तक वह निकट है तब तक उसे पुकारो; (प्रेरि. 17:27)

जब तक यहोवा मिल सकता है तब तक उसकी खोज में रहो → जब तक वह निकट है तब तक उसे पुकारो; (प्रेरि. 17:27.

C. **भजन संहिता 105:4** यहोवा और उसकी सामर्थ्य को खोजो, उसके दर्शन के लगातार खोजी बने रहो! **[H1245 baqash ⚑]**

यहोवा और उसकी सामर्थ्य को खोजो → उसके दर्शन के लगातार खोजी बने रहो.

दो के मुख — रखवाली का भार, दो और तीसरे के मुख से स्थिर किया गया

व्यवस्थाविवरण 4:9 “यह अत्यन्त आवश्यक है कि तुम अपने विषय में सचेत रहो, और अपने मन की बड़ी चौकसी करो, कहीं ऐसा न हो कि जो-जो बातें तुम ने अपनी आँखों से देखीं उनको भूल जाओ, और वह जीवन भर के लिये तुम्हारे मन से जाती रहें; किन्तु तुम उन्हें अपने बेटों पोतों को सिखाना। **[H3966 me'od ⚑] [H8104 shamar ⚑]**

अपने प्राण की बड़ी चौकसी कर → कहीं ऐसा न हो कि तू भूल जाए + उन्हें अपने पुत्रों को सिखा।

नीतिवचन 4:23 सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। **[H4929 mishmar ⚑] [H5341 natsar ⚑]**

सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर → क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है.

यहूदा 1:21 अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो; और अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की आशा देखते रहो। **[G5083 tereo ⚑]**

अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो → अनन्त जीवन के लिये दया की बाट जोहते रहो।

(मेरे निजी विचार — दो साक्षियों के मुख से वचन स्थिर होता है; यहाँ तीसरा मुख भी वही कहता है: तिहरी डोरी जल्दी नहीं टूटती। मूसा कहता है, अपने प्राण की भली-भाँति रक्षा करना; नीतिवचन कहता है, अपने हृदय की सब प्रकार से रक्षा करना; यहूदा कहता है, अपने आप को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखना। तीन रक्षाएँ, एक ही तत्परता। भाषाओं पर ध्यान दो: पुरानी रक्षा शामर (H8104) और नात्सर (H5341) है, एक बाड़ और एक पहरा; यहूदा की रक्षा तेरेओ (G5083) है, आँख की तरह चौकसी करना। दो भाषाएँ, एक ही आज्ञा: जो परमेश्वर ने तुम्हें दिया है, उसकी चौकसी करो।)

छाया और पूर्णता

> *ज़मीन पर पड़ी एक परछाई के बारे में सोचिए। आप उसका आकार देख सकते हैं, परंतु केवल आकार से आपको यह पता नहीं चलेगा कि उसे कौन-सी वस्तु बना रही है — वह एक वस्तु हो सकती है, या उसी आकार की कोई दूसरी वस्तु भी हो सकती है, और जब तक आप केवल परछाई को ही देखते रहेंगे, तब तक आप बस अनुमान ही लगा सकते हैं। परछाई तब तक एक रहस्य बनी रहती है जब तक सच्चा प्रकाश आपको वह वस्तु स्वयं न दिखाए। तब आप पीछे मुड़कर परछाई को देखते हैं और पाते हैं कि वह आरंभ से ही उस वस्तु का आकार थी। पुराने नियम के चित्र भी यही हैं। वे सच्ची परछाइयाँ हैं, जो सचमुच एक वास्तविक शरीर से बनी थीं — "आनेवाली वस्तुओं की छाया है; परन्तु शरीर मसीह का है" (कुलुस्सियों 2:17)। परंतु परछाई "उन वस्तुओं की असली मूरत नहीं" है (इब्रानियों 10:1), इसलिए कोई भी केवल परछाई से सम्पूर्ण सत्य को नहीं पढ़ सकता था। जब मसीह आया, तब उस प्रकाश ने शरीर को दिखा दिया — और अब हम पीछे मुड़कर उस परछाई को देखते हैं और जान जाते हैं कि वह आरंभ से किसका आकार लिए हुए थी।*

Shadow **व्यवस्थाविवरण 6:17** अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं, चेतावनियों, और विधियों को, जो उसने तुझको दी हैं, सावधानी से मानना। **[H8104 shamar ⚑]**

अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं, चेतावनियों.

Fulfillment **तीतुस 3:8** यह बात सच है, और मैं चाहता हूँ, कि तू इन बातों के विषय में दृढ़ता से बोले इसलिए कि जिन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया है, वे भले-भले कामों में लगे रहने का ध्यान रखें। ये बातें भली, और मनुष्यों के लाभ की हैं। **[G5431 phrontizo ⚑]**

अच्छे कार्यों को बनाए रखने के लिए सावधान → मनुष्यों के लिए अच्छे और लाभदायक।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह वही परिश्रम है, जो मुड़ गया है। मूसा के अधीन यह पत्थर पर लिखी हुई आज्ञाओं के चारों ओर एक बाड़ बनाए रखता था। मसीह में यह उन भले कामों को बनाए रखने के लिए सावधान है जो पहले से विश्वास किए गए विश्वास से बहते हैं। परिश्रम कभी समाप्त नहीं किया गया; वह पूरा किया गया था। व्यवस्था का पालन

करना अब एक जीवंत विश्वास के कामों को बनाए रखना बन गया है।)

समापन

यशायाह 40:31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे। **[H6960 qavah ⚑]**

जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल पाएँगे → दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे।

2 पतरस 1:11 वरन् इस रीति से तुम हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने पाओगे। **[G2023 epichoregeo ⚑]**

तुम्हारे लिये हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बहुतायत से प्रवेश दिया जाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ है पूरा अध्ययन एक ही सांस में। परमेश्वर ने किसी व्यक्ति को इस संशय में नहीं छोड़ा कि वह खड़ा रहेगा या नहीं। उसने यह मामला उस व्यक्ति के अपने हाथ में सौंप दिया है और उसे प्रयत्नशीलता कहा है। प्रयत्नशीलता करो, और बुलाहट निश्चित हो जाएगी, और पाँव कभी नहीं फिसलेगा। हाथ को ढीला करो, और प्राण लालसा करेगा परन्तु कुछ नहीं पाएगा। प्रयत्नशील हाथ प्रभुता करता है; प्रयत्नशील प्राण पुष्ट किया जाता है; प्रयत्नशील व्यक्ति राजाओं के सामने खड़ा होता है। और इस सबसे बढ़कर, परमेश्वर स्वयं को उनका प्रतिफलदाता कहता है जो उसे तत्परता से ढूँढ़ते हैं। इसलिए अपने हृदय की रक्षा करो, अपने प्राण की रक्षा करो, अपने आप की रक्षा करो। अध्ययन करो, प्रयास करो, सावधानी से चलो। थके नहीं, क्योंकि लवनी का समय नियत है। वही परमेश्वर जो तुम्हें दौड़ने के लिए बुलाता है, उसने वचन दिया है कि वह उस दौड़ के लिए तुम्हारी शक्ति को नया करेगा, जब तक कि सनातन राज्य में प्रवेश चौड़ा होकर खुल न जाए।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. 2 पतरस 1:10 — अपने बुलाए जाने और चुन लिए जाने को दृढ़ करने का प्रयत्न करो:
a) दृढ़
b) निश्चित
c) प्रचुर

2. नीतिवचन 10:4 — कामकाजी हाथ:
a) मूल्यवान है
b) प्रभुता करेगा
c) धनी बनाता है

3. इफिसियों 5:15 — इसलिये देखो कि तुम किस रीति से चलते हो:
a) सावधानी से, मूर्खों के समान नहीं, परन्तु बुद्धिमानों के समान
b) प्रभु के योग्य, हर प्रकार से भाने योग्य
c) आत्मा में

4. 2 तीमुथियुस 2:15 — अपने आप को परमेश्वर का ऐसा काम करनेवाला ठहराने का प्रयत्न कर, जो निर्लज्ज न हो, वरन ठीक रीति से बांटता हो:
a) जीवन का वचन
b) प्रतिज्ञा का वचन
c) सत्य का वचन

5. मत्ती 7:8 — जो कोई मांगता है वह पाता है, और जो ढूंढ़ता है वह:
a) विश्राम पाएगा
b) पाता है
c) भरा जाएगा

6. नीतिवचन 4:23 — सब से अधिक अपने हृदय की रक्षा कर; क्योंकि उसी में से:
a) बुरे विचार निकलते हैं
b) जीवन का सोता है
c) जीवन की धाराएं हैं

7. यशायाह 40:31 — परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करेंगे; वे:
a) उकाबों की नाईं पंख फैलाकर ऊपर को उड़ें
b) राजाओं के सामने खड़ा होना
c) कभी नहीं गिरेंगे

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-c, 3-a, 4-c, 5-b, 6-c, 7-a

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: वह तत्परता जो एक समय पत्थर की पट्टियों पर लगी थी (व्यवस्थाविवरण 6:17), वह अब उन भले कामों को बनाए रखने पर लगी है जो एक जीवित विश्वास से उत्पन्न होते हैं (तीतुस 3:8)। पालन की गई आज्ञा ही बनाए रखा गया भला काम बन जाती है।

नई वाचा इसे कैसे खोलती है: "प्रयत्न करना" को इसके अपने आदेशों के परिवार द्वारा खोला गया है — अध्ययन करना (2 तीमुथियुस 2:15), प्रयास करना (इफिसियों 4:3), सावधानी से चलना (इफिसियों 5:15)। एक शब्द, स्पूदाज़ो (G4704, प्रयत्न करना), कई प्रकार से कहा गया।

शब्दों का महत्व कैसे है: परिश्रमी के लिए इब्रानी शब्द (चारुत्स़, H2742, परिश्रमी) का अर्थ शुद्ध सोना, तीक्ष्ण, और निर्णय भी है। परिश्रम के लिए यूनानी शब्द (स्पूदे, G4710, परिश्रम) का अर्थ है वेग। परिश्रमी मनुष्य एक दृढ़निश्चयी मनुष्य है जो आगे बढ़ता है।

आप पर यह कैसे लागू होता है: सब निधियों से बढ़कर अपने मन की रक्षा कर (नीतिवचन 4:23)। प्रयत्न करने में ढीले न हो (रोमियों 12:11)। जब तक यहोवा मिल सकता है उसे ढूंढो (यशायाह 55:6)। उद्यम आज से आरम्भ होता है, उस काम में जो तेरे हाथ को करने के लिये मिले।

इसका अनन्तकाल के लिए यह अर्थ है: कि हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में प्रवेश करने के लिये बहुतायत से सुभीता दिया जाएगा (2 पतरस 1:11)। परिश्रम केवल इस जीवन के लिये नहीं है; यह अगले जीवन को सुनिश्चित करने का साधन है।

विषयांतर: "परिश्रम करना" (SPOUDAZO, G4704) वही शब्द है जो "आत्मा की एकता को बनाए रखने का प्रयत्न करना" (इफिसियों 4:3) के पीछे भी है — इस एक शब्द के परिवार का पीछा करें और देखें कि पत्रियों में परिश्रम किस-किस बात पर लगाया गया है।

उद्धार पाने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

> *हमारे बाइबल अध्ययन को देखिए — "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए"*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).